हरियाणा में रबी फसल की खरीद

चर्चा में क्यों?

हरियाणा सरकार ने रबी विपणन सीजन 2025-26 के लिये 75 लाख मीट्रिक टन गेहूँ खरीद का **लक्ष्य** रखा है।

- खरीद को सुविधाजनक बनाने के लिये भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा **6,653 करोड़ रुपए** से अधिक की नकद **ऋण सीमा पहले ही स्वीकृत की जा चुकी है।**

मुख्य बिंदु:

- हरियाणा को इस रबी **सीजन में गेहूँ की उल्लेखनीय पैदावार की** उम्मीद है, जिससे राज्य सरकार द्वारा खरीद व्यवस्था को बढ़ाने की तैयारी गई है।
- मुख्यमंत्री ने **विपणन बोर्ड के अधिकारियों को** भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिये मंडियों के खाली क्षेत्रों में बड़े शेड बनाने के निर्देश दिये हैं।
- खरीद की ज़िम्मेदारियाँ विभिन्न एजेंसियों के बीच विभाजित की गई हैं:
  - **30%** खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा
  - **40%** HAFED (हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति एवं विपणन संघ लिमिटेड) द्वारा
  - **20%** हरियाणा राज्य भंडारण निगम द्वारा
  - **10%** भारतीय खाद्य निगम द्वारा
- हरियाणा **केंद्रीय पूल में लगभग 25% गेहूँ** का योगदान देता है तथा भारत में **गेहूँ उत्पादन** में **दूसरे स्थान पर है।**
- गेहूँ की खरीद के लिये कुल **415 मंडियाँ** संचालित होंगी, **जौ के लिये 25, चना के लिये 11, मसूर के लिये 7, सरसों के लिये 116 और सूरजमुखी के लिये 17 मंडियाँ संचालित होंगी।**
- विभिन्न रबी फसलों के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) निम्नानुसार तय किये गए हैं:
  - **गेहूँ:** ₹2,425 प्रति क्विंटल
  - **जौ:** ₹1,980 प्रति क्विंटल
  - **चना:** ₹5,650 प्रति क्विंटल
  - **मसूर:** ₹6,700 प्रति क्विंटल
  - **सरसों:** ₹5,950 प्रति क्विंटल
  - **सूरजमुखी:** ₹7,280 प्रति क्विंटल
- मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों को **खरीद प्रक्रिया की निगरानी के लिये टीमें गठित करने के निर्देश दिये हैं** ताकि सुचारू एवं कुशल संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

न्यूनतम समर्थन मूल्य:

परिचय:

- MSP वह गारंटीकृत राशि है जो किसानों को तब दी जाती है जब सरकार उनकी फसल खरीदती है।
- **MSP** कृषि लागत और मूल्य आयोग (Commission for Agricultural Costs and Prices- CACP) की सिफारिशों पर आधारित है, जो उत्पादन लागत, मांग तथा आपूर्ति, बाज़ार मूल्य रुझान, अंतर-फसल मूल्य समानता आदि जैसे विभिन्न कारकों पर विचार करता है।
  - **CACP कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय** का एक संलग्न कार्यालय है। यह जनवरी 1965 में अस्तित्व में आया।
- भारत के प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA) **MSP के स्तर पर अंतिम निर्णय (अनुमोदन) लेती है।**
- **MSP का उद्देश्य उत्पादकों को उनकी फसल के लिये लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना और** फसल विविधीकरण **को प्रोत्साहित करना है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rabi-crop-procurement-in-haryana